



सत्यमेव जयते

भारत सरकार  
विद्युत मंत्रालय

## हिंदी सलाहकार समिति की बैठक

दिनांक : 11 अप्रैल, 2018  
समय : पूर्वाह्न 11.30 बजे  
स्थान : बैंकवेट हॉल, तीसरी मंजिल,  
डिप्लोमेटिक इन्कलेव, होटल अशोक,  
नई दिल्ली

विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक

विषय-सूची

क्रम सं.	विषय/मद	पृष्ठ सं.
1.	विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 31 अगस्त, 2017 को हुई बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि	1-6
2.	विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 31 अगस्त, 2017 को हुई बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई	7-9
3.	हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों से प्राप्त सुझाव और उन पर मंत्रालय की टिप्पणी	10
4.	राजभाषा विभाग द्वारा सुझाए गए बिंदु टिप्पणी तथा उन पर मंत्रालय की टिप्पणी	11-16
5.	विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों/कार्यालयों की तिमाही प्रगति रिपोर्टों के मद-वार अनुबंध	
(i)	31 दिसम्बर, 2017 के अनुसार राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन - अनुबंध -1	17
(ii)	31 दिसम्बर, 2017 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों एवं उनके उत्तरों की स्थिति - अनुबंध - 2	18
(iii)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए) -- अनुबंध -3क	19
(iv)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए) -- अनुबंध -3ख	20
(v)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - अनुबंध - 4	21
(vi)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - अनुबंध -5	22
(vii)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ग' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - अनुबंध -6	23
(viii)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान फाइलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियां - अनुबंध -7	24
(ix)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान हिंदी कार्यशालाओं की स्थिति - अनुबंध -8	25
(x)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के बारे में स्थिति - अनुबंध -9	26
(xi)	31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य/ उपलब्धियां - अनुबंध -10	27-29

(xii)	नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचना की स्थिति - अनुबंध -11	30
(xiii)	अधिकारियों/कर्मचारियों के राजभाषा ज्ञान के बारे में स्थिति दर्शाने वाला विवरण - अनुबंध -12	31
(xiv)	आशुलिपिकों के बारे में स्थिति- अनुबंध -13	32
(xv)	टाइपिस्टों/लिपिकों के बारे में स्थिति - अनुबंध -14	33
(xvi)	अनुवाद का ज्ञान - अनुबंध -15	34
(xvii)	कंप्यूटर प्रशिक्षण की स्थिति- अनुबंध -16	35
(xviii)	कंप्यूटर/ लैपटॉप/सिस्टम आदि से संबंधित जानकारी - अनुबंध -17	36
(xix)	कोड/मैनुअल आदि के बारे में स्थिति - अनुबंध -18	37
(xx)	अनुभागों को नियम 8(4) के अधीन विनिर्दिष्ट करने के संबंध में स्थिति - अनुबंध -19	38
(xxi)	वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा संबंधी निरीक्षणों की स्थिति - अनुबंध -20	39
(xxii)	पत्रिकाओं/अन्य प्रकाशन के बारे में स्थिति - अनुबंध -21	40
(xxiii)	वर्ष 2016-17 के दौरान पुस्तकालय द्वारा हिंदी पुस्तकों की खरीद के संबंध में स्थिति - अनुबंध -22	41
(xxiv)	उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा हिंदी में कार्य - अनुबंध - 23	42
(xxv)	विद्युत मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ उपक्रमों में हिंदी पदों की स्थिति - अनुबंध - 24	43
(xxvi)	वेबसाइट का द्विभाषीकरण और उस पर हिंदी में उपलब्ध कराई गई जानकारी - अनुबंध - 25	44

ध्यान दीजिए : अनुबंध-11 से अनुबंध-25 में मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही के आंकड़े दिए गए हैं क्योंकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, उक्त आंकड़े केवल मार्च में समाप्त तिमाही में ही संकलित किए जाते हैं।

**माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में दिनांक 31 अगस्त, 2017 को संपन्न हुई विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक का कार्यवृत्त**

विद्युत मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में दिनांक 31 अगस्त, 2017 को नई दिल्ली में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची परिशिष्ट में दी गई है।

2. सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से समिति की सदस्य-सचिव संयुक्त सचिव (राजभाषा) ने बैठक में आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया और सचिव (विद्युत) को समिति का औपचारिक स्वागत करने और संबोधित करने का अनुरोध किया।
3. तदनंतर सचिव (विद्युत) ने अध्यक्ष महोदय तथा सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करते हुए विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों तथा कार्यालयों द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए हिंदी सलाहकार समिति की पिछली बैठक के बाद किए गए मुख्य प्रयासों के बारे में संक्षेप में समिति को अवगत कराया। सचिव (विद्युत) ने अपने संबोधन में यह कहा कि विद्युत मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित प्रशासनिक शब्दावली की प्रतियां सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वितरित की गई हैं और मंत्रालय द्वारा तैयार की गई राजभाषा हिंदी सहायक लघु पुस्तिका, राजभाषा संबंधी संक्षिप्त जानकारी तथा हिंदी पत्रों के नमूने मंत्रालय की ई-ऑफिस वेबसाइट पर हेल्प-डेस्क शीर्ष में अपलोड किए गए हैं। मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों द्वारा भी राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। मंत्रालय तथा इसके उपक्रमों में विश्व महिला दिवस, विश्व योग दिवस, स्वच्छ भारत अभियान तथा चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों को भी हिंदी माध्यम से आयोजित किया गया। सितम्बर माह में 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि में इस वर्ष वृद्धि की गई है तथा राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए 'सरकारी कामकाज मूल रूप से हिंदी में करना' नामक दो नई प्रतियोगिताएं शुरू की गई हैं।
4. सचिव (विद्युत) के संबोधन के उपरांत सदस्य-सचिव द्वारा हिंदी सलाहकार समिति की पिछली बैठक के बाद किए गए मुख्य प्रयासों को दर्शाने के लिए एक प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन) समिति के माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। संयुक्त सचिव

(राजभाषा) ने प्रस्तुतिकरण में मुख्य रूप से मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों एवं कार्यालयों द्वारा आयोजित की गई हिंदी कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, कवि सम्मेलनों/काव्य गोष्ठियों, राजभाषा सम्मेलनों तथा उपक्रमों द्वारा अपनी आवासीय कॉलोनियों में बनाए गए पुस्तकालयों, उपक्रमों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को आमंत्रित करने तथा उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा अपनी हिंदी गृह पत्रिकाएं समिति के माननीय सदस्यों को भेजने आदि से संबंधित विवरण प्रस्तुत किया। इसके साथ-साथ उन्होंने समिति को सूचित किया कि समिति की दूसरी बैठक गठन के लगभग 8 माह के बाद ही आयोजित की जा रही है और भविष्य में भी बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को पहचान-पत्र जारी करने के संबंध में उन्होंने बताया कि केंद्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 36वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार सदस्यों को पहचान-पत्र जारी नहीं किए जा सकते। उपक्रमों की आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय बनाने के संबंध में एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने स्थिति स्पष्ट करते हुए उनकी सभी आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। हिंदी सलाहकार समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के लिए संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग ने विद्युत मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

5. पिछली बैठक पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई पर चर्चा करते हुए **श्री गोपाल कृष्ण फरलिया** ने कहा कि मंत्रालय के मूल हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने के लिए अधिकारी हिंदी में डिक्टेशन दें, उपक्रमों में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों की पदोन्नति देने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जाए, समिति की अगली बैठक दिसम्बर तक आयोजित की जाए, उपक्रम अपनी वेबसाइट को हिंदी में भी अद्यतन करें। श्री फरलिया ने कहा कि मंत्रालय द्वारा किए गए जा रहे हिंदी पत्राचार का प्रतिशत काफी वर्षों से 60 प्रतिशत के आसपास है। यदि मंत्रालय 100 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो इसमें कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का प्रयास करें।

6. **श्री अमलेश्वर चतुर्वेदी** ने कहा कि यदि गृह मंत्रालय द्वारा पहचान-पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं तो मंत्रालय अपने स्तर भी पहचान-पत्र जारी कर सकता है। पहचान-पत्र जारी करने के संबंध में संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह एक नीतिगत मामला है और निर्णय मंत्री स्तर पर लिए जाते हैं। इस पर माननीय संसद सदस्य **श्री महेश पोद्दार** ने कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा इस मामले को पुनर्विचार हेतु मंत्री जी को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने विद्युत मंत्रालय द्वारा विद्युत क्षेत्र में की गई प्रगति की सराहना की और यह अनुरोध किया कि विद्युत मंत्रालय और इसके उपक्रमों को हिंदी के क्षेत्र में भी इसी प्रकार की प्रगति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली के बिल हिंदी अथवा स्थानीय भाषा में भेजने के लिए बिजली कंपनियों को सुझाव देना पर्याप्त नहीं है बल्कि

उनके द्वारा किए जा रहे अनुपालन की निगरानी भी की जाए। Vidyutpravah.in वेबसाइट पर विद्युत क्षेत्र से संबंधित उपलब्ध कराई गई संपूर्ण सूचना हिंदी में भी उपलब्ध कराई जाए जिससे विद्युत क्षेत्र में हुई प्रगति से आम जनता भी अवगत हो सके।

7. **श्री विनीत कुमार चौहान** ने कहा कि एनएचपीसी ने लद्दाख में कवि सम्मेलन का आयोजन किया था जिसमें स्थानीय लोगों के अलावा सैनिकों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम को काफी सराहा गया। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय के उपक्रमों के प्रमुखों के नाम, पदनाम, पते तथा मोबाइल नं. समिति के सदस्यों को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि कार्यसूची में उपक्रम के नाम के साथ, उस स्थान का भी उल्लेख किया जाए जिसमें मुख्यालय स्थित है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के उपक्रम समय-समय पर कवि सम्मेलन, काव्य गोष्ठी आयोजित कर रहे हैं तथापि विद्युत मंत्रालय द्वारा भी एक बड़ा आयोजन किया जाए।

8. **श्रीमती अहिल्या मिश्र** ने कहा कि 'ग' क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हिंदी पहुंचाई जानी चाहिए। इसके लिए उन क्षेत्रों में प्रचलित स्थानीय भाषा के शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखकर आम जनता को वितरित करें।

9. **श्री महेश भार्गव** ने कहा कि हिंदी सलाहकार समिति की अगली बैठक दिल्ली से बाहर आयोजित की जाए। श्री फरलिया ने भी उनकी बात का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकारों के निगमों में भी हिंदी का प्रचार करने की व्यवस्था की जाए। श्री भार्गव ने उत्तर प्रदेश में विद्युत निगम में हिंदी सलाहकार समिति के गठन के बारे में जानना चाहा। इस पर संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग ने स्पष्ट किया कि संघ की राजभाषा नीति केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों आदि पर लागू होती है।

10. **श्री दिव्य ज्योति बरुआ** ने उपक्रमों द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा कि हिंदी को योग से जोड़ा जाए।

11. **श्री अमलेश्वर चतुर्वेदी** ने कहा कि मुझे एनटीपीसी के मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में स्थित संयंत्रों में जाने का अवसर मिला। वहां पर मैंने पाया कि संयंत्रों में सभी जगह केवल हिंदी के बोर्ड लगे हुए हैं और अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में ही विचार-विमर्श करते हैं जिसके लिए उन्होंने एनटीपीसी को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि जो हिंदी नहीं बोलते, उन्हें हिंदी बोलने का प्रयास करना चाहिए और जो हिंदी में बोलते हैं, उन्हें और अधिक अच्छी हिंदी बोलनी चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि एनटीपीसी विंध्य नगर, सिंगरौली तथा रिहंद एनसीएल, सिंगरौली के साथ मिलकर त्रि-दिवसीय हिंदी महोत्सव का आयोजन करें।

उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि मंत्रालय तथा उसके उपक्रमों के अधिकारी/कर्मचारी प्रतिदिन कम से कम एक घंटा विचार-विमर्श केवल हिंदी में करें।

12. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग ने मंत्रालय तथा उसके सभी उपक्रमों से अनुरोध किया कि वे समय-समय पर राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर 'हिंदी ई-टूल्स' लिंक को देखते रहे जिसमें सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए उपलब्ध आधुनिक सुविधा की जानकारी दी गई है तथा इसे समय-समय पर अद्यतन भी किया जाता है।

13. संयुक्त सचिव (राजभाषा) द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतिकरण तथा तदुपरांत हुई चर्चा के पश्चात् माननीय मंत्री जी द्वारा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंत्रालय के उपक्रमों को वर्ष 2016-17 के लिए 'एनटीपीसी शील्ड' तथा 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार एनएचपीसी लिमिटेड, द्वितीय पुरस्कार दामोदर घाटी निगम लिमिटेड और तृतीय पुरस्कार पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को प्रदान किया गया। 'एनटीपीसी शील्ड' प्राप्त करने वाले उपक्रमों को बधाई देते हुए माननीय अध्यक्ष महोदय ने कहा कि मंत्रालय के अन्य उपक्रम भी 'एनटीपीसी शील्ड' तथा राजभाषा विभाग द्वारा दिए जा रहे 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' प्राप्त करने के लिए प्रयास करें।

14. अंत में मंत्री जी ने कहा कि सभी सदस्यों ने बहुत अच्छे सुझाव दिए हैं और विचाराणीय सुझावों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें बोलचाल के सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए जिससे हिंदी बोझ नहीं लगेगी। मंत्रालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी हिंदी पत्राचार बढ़ाने के लिए प्रयास करें। हमें हिंदी के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्युत मंत्रालय, खान मंत्रालय, कोयला मंत्रालय तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय मिलकर हिंदी सलाहकार समिति की अगली बैठक संसद के शीतकालीन सत्र को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से बाहर आयोजित करने पर विचार करें।

**(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा  
इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)**

सदस्य-सचिव द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

\*\*\*\*\*

**माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 31 अगस्त, 2017 की बैठक की उपस्थिति सूची**

1.	श्री पीयूष गोयल विद्युत, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा तथा खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	अध्यक्ष
	<b>गैर-सरकारी सदस्य</b>	
2.	श्री महेश पोद्दार, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
3.	श्री गोपाल कृष्ण फरलिया	सदस्य
4.	डॉ. पदमाकर पाण्डे	सदस्य
5.	डॉ. अहिल्या मिश्र	सदस्य
6.	श्री दिव्य ज्योति बरुआ	सदस्य
7.	श्री सत्य पाल	सदस्य
8.	श्री विनीत कुमार (चौहान)	सदस्य
9.	श्री अमलेश्वर चतुर्वेदी	सदस्य
10.	डॉ. महेश भार्गव	सदस्य
	<b>सरकारी सदस्य</b>	
11.	श्री अजय कुमार भल्ला, सचिव, विद्युत मंत्रालय	सदस्य
12.	सुश्री शालिनी प्रसाद, अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय	सदस्य
13.	श्री रवीन्द्र कुमार वर्मा, अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण	सदस्य
14.	डॉ. बिपिन बिहारी, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
15.	सुश्री भारती, संयुक्त सचिव (प्रशासन/राजभाषा)	सदस्य-सचिव
	<b>मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रम/कार्यालय</b>	
16.	श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड	सदस्य
17.	श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड	सदस्य
18.	श्री रमेश नारायण मिश्र, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन लिमिटेड	सदस्य
19.	श्री डी.वी. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड तथा नीपको (अतिरिक्त प्रभार)	सदस्य
20.	श्री ए.डब्ल्यू.के. लैंगस्टे, अध्यक्ष, दामोदर घाटी निगम	सदस्य
21.	श्री देवेंद्र कुमार शर्मा, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड	सदस्य
22.	प्रो. (डॉ.) राजेंद्र कुमार पाण्डेय, महानिदेशक, राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान	सदस्य

23.	श्री अभय बाकरे, महानिदेशक, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो	सदस्य
24.	श्री रवि प्रकाश सिंह, निदेशक (मानव संसाधन), पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	प्रतिनिधि
25.	श्री संजीव कुमार गुप्ता, निदेशक (तकनीकी), रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड	प्रतिनिधि
26.	श्री बलराज जोशी, निदेशक (तकनीकी), एनएचपीसी लिमिटेड	प्रतिनिधि
27.	श्री मनोज कुमार आनन्द, प्रमुख (वित्त), केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग	प्रतिनिधि
28.	श्री एस.भट्टाचार्य, संयुक्त निदेशक, केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान	प्रतिनिधि
29.	श्री अमित प्रकाश, संयुक्त निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित
30.	श्री भीम सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित
31.	श्री सत्यमूर्ति नागेश, सहायक निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित

**विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 31 अगस्त, 2017 को हुई  
बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई**

क्र.सं.	मद	की गई कार्रवाई
1.	मूल हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने के लिए अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देना।	मूल हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने के लिए अधिकारियों द्वारा यथासंभव डिक्टेशन हिंदी में भी दी जाती है। इस संबंध में हाल ही में सचिव (विद्युत) की ओर से दिनांक 06 मार्च, 2018 को कार्यालय जापन जारी कर सभी संयुक्त सचिवों को राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों, जिनमें अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देना भी शामिल है, को प्राप्त करने के लिए निदेश जारी किए गए हैं।
2.	उपक्रमों में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों को पदोन्नति देने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाना।	मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों के हिंदी विभागों में कार्यरत अधिकारियों को अन्य विभागों में कार्यरत अधिकारियों के समान पदोन्नति अवसर प्रदान किए जाते हैं।
3.	वेबसाइट को हिंदी में भी अद्यतन करना तथा वेबसाइट पर जो लिंक अंग्रेजी में दिए गए हैं, उनका हिंदी अनुवाद करवाकर तत्काल वेबसाइट पर अपलोड करना।	वेबसाइट को हिंदी में भी अद्यतन करने का प्रयास किया जाता है तथा वेबसाइट पर जो लिंक अंग्रेजी में दिए गए हैं, उनका भी हिंदी अनुवाद कराकर वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है।
4.	'ग' क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित स्थानीय भाषा के शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखकर आम जनता को वितरित करना।	मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों को निदेश दिए गए हैं कि वे 'ग' क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित स्थानीय भाषा के शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखकर आम जनता में वितरित करें। पावरग्रिड द्वारा 'ग' क्षेत्र में स्थानीय शब्दों के हिंदी रूपांतरण का वितरण किया गया है।
5.	समय-समय पर राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर 'हिंदी ई-टूल्स' लिंक को देखना।	अधिकारी/कर्मचारी समय-समय पर राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर 'हिंदी ई-टूल्स' लिंक को देखते रहे हैं।

6.	राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करके 'एनटीपीसी शील्ड' तथा राजभाषा विभाग द्वारा दिए जा रहे 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' प्राप्त करने के लिए प्रयास करना।	मंत्रालय के उपक्रम राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करके 'एनटीपीसी शील्ड' तथा राजभाषा विभाग द्वारा दिए जा रहे 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। वर्ष 2016-17 के लिए 'क' क्षेत्र के अंतर्गत 'एनएचपीसी' को प्रथम पुरस्कार तथा 'पावर फाइनेंस कार्पोरेशन' की तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके साथ-साथ 'ग' क्षेत्र में स्थित 'केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु' को प्रथम पुरस्कार तथा 'दामोदर घाटी निगम, कोलकाता' को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
7.	सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बोलचाल के सरल शब्दों का प्रयोग करना।	सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बोलचाल के सरल शब्दों का ही प्रयोग किया जाता है।
8.	उपक्रमों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली हिंदी पत्रिकाओं की प्रतियां विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को भेजना।	उपक्रम अपनी हिंदी पत्रिकाएं विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को नियमित रूप से भेज रहे हैं।
9.	एनटीपीसी विंध्य नगर, सिंगरौली तथा रिहंद द्वारा एनसीएल सिंगरौली के साथ मिलकर त्रिदिवसीय हिंदी महोत्सव का आयोजन करना।	एनटीपीसी द्वारा 31.10.2017 को एनटीपीसी केंद्रीय कार्यालय में विशेष कार्यशाला, 20.11.2017 को एनटीपीसी, अंता में हिंदी कार्यशाला एवं काव्य गोष्ठी तथा 23.12.2017 को एनटीपीसी, विंध्याचल द्वारा सिंगरौली एवं रिहंद के कर्मचारियों को शामिल करते हुए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में हिंदी सलाहकार समिति के तीन गैर-सरकारी सदस्यों को अलग-अलग आमंत्रित किया गया है।
10.	विद्युत मंत्रालय द्वारा राजभाषा सम्मेलन/कवि सम्मेलन का आयोजन करना।	विद्युत मंत्रालय द्वारा राजभाषा सम्मेलन/कवि सम्मेलन के आयोजन का प्रस्ताव विचाराधीन है।

11.	हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को पहचान पत्र जारी करने के मामले को गृह मंत्री महोदय के पुनर्विचार हेतु राजभाषा विभाग को भेजना।	हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को पहचान पत्र जारी करने के संबंध में माननीय गृह मंत्री जी के अनुमोदन से राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए 11 सितम्बर, 2017 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को परिचय पत्र, पार्किंग कार्ड एवं विजिटिंग कार्ड आदि जारी नहीं किया जा सकता।
12.	मंत्रालय के उपक्रमों के प्रमुखों के नाम, पदनाम, पते तथा मोबाइल नं. समिति के सदस्यों को उपलब्ध कराना।	मंत्रालय के उपक्रमों के प्रमुखों के नाम, पदनाम, पते तथा मोबाइल नं. समिति के सदस्यों को भेज दिए गए हैं।

**हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों से प्राप्त सुझाव और उन पर मंत्रालय की टिप्पणी**

क्र.सं.	दिया गया सुझाव	मंत्रालय की टिप्पणी															
1.	मंत्रालय के हिंदी अनुभाग में स्वीकृत पदों की संख्या	<p>विद्युत मंत्रालय में स्वीकृत और रिक्त पद निम्नानुसार हैं:-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>पदनाम</th> <th>स्वीकृत</th> <th>रिक्त</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>संयुक्त निदेशक (राजभाषा)</td> <td>1</td> <td>--</td> </tr> <tr> <td>सहायक निदेशक (राजभाषा)</td> <td>2</td> <td>--</td> </tr> <tr> <td>वरिष्ठ अनुवादक</td> <td>2</td> <td>1*</td> </tr> <tr> <td>कनिष्ठ अनुवादक</td> <td>3</td> <td>--</td> </tr> </tbody> </table> <p>*चूंकि यह पद राजभाषा विभाग द्वारा भरा जाना है इसलिए समय-समय पर राजभाषा विभाग को पत्र भेजे जाते रहे हैं।</p>	पदनाम	स्वीकृत	रिक्त	संयुक्त निदेशक (राजभाषा)	1	--	सहायक निदेशक (राजभाषा)	2	--	वरिष्ठ अनुवादक	2	1*	कनिष्ठ अनुवादक	3	--
पदनाम	स्वीकृत	रिक्त															
संयुक्त निदेशक (राजभाषा)	1	--															
सहायक निदेशक (राजभाषा)	2	--															
वरिष्ठ अनुवादक	2	1*															
कनिष्ठ अनुवादक	3	--															
2.	मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा मूल रूप से हिंदी में काम करना।	मंत्रालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी आवश्यकतानुसार हिंदी में काम करते हैं तथा अधिकांश बैठकों में विचार-विमर्श हिंदी में किया जाता है। वर्ष 2016-17 के दौरान मूल रूप से हिंदी में कार्य करने वाले कर्मचारियों में से 10 कर्मचारियों को राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित पुरस्कार राशि प्रदान की गई।															
3.	मंत्रालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों द्वारा हिंदी पत्रिकाओं का प्रकाशन।	विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाओं की प्रति संबंधित उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को नियमित रूप से भेजी जा रही है।															
4.	गत 5 वर्षों के दौरान हिंदी सलाहकार समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों पर कार्रवाई।	हिंदी सलाहकार समिति की प्रत्येक बैठक में पूर्ववर्ती बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुवर्ती कार्रवाई रिपोर्ट संलग्न की जाती है।															
5.	सभी कार्यालयों द्वारा वेबसाइटों को द्विभाषी रूप में अद्यतन करना।	वेबसाइट को अद्यतन और द्विभाषी करना एक सतत प्रक्रिया है तथा सभी कार्यालयों की वेबसाइटों को द्विभाषी बनाने संबंधी जानकारी कार्यसूची के अनुबंध 25 में दी गई है।															
6.	द्विभाषी प्रकाशन	मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट तथा मंत्रालय की अनुदानों की ब्यौरे-वार मांगे संबंधी प्रकाशन द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जाते हैं तथा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रम/कार्यालय भी अपनी वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषी रूप में प्रकाशित करते हैं।															

**राजभाषा विभाग द्वारा सुझाए गए बिंदु तथा उन पर मंत्रालय की टिप्पणी**  
[संदर्भ : संख्या-11/20015/03/2011-रा.भा. (नीति-2), दिनांक 11 मई, 2011]

**हिंदी पदों की स्थिति**

1. क्या न्यूनतम हिंदी पदों के सृजन के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार पद सृजित हैं और भरे हुए हैं। यदि नहीं, तो इस संबंध में की जा रही कार्यवाही।

मंत्रालय में संयुक्त निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) के दो पद, वरिष्ठ अनुवादक के 02 पद एवं कनिष्ठ अनुवादक के 03 पद स्वीकृत हैं जिनमें से वरिष्ठ अनुवादक का 01 पद, जो केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के पुनर्गठन के समय वर्ष 2011 में स्वीकृत किया गया था, रिक्त हैं। पद को भरने के लिए समय-समय पर राजभाषा विभाग को अनुरोध किया जाता रहा है। राजभाषा विभाग ने अपने 24.03.2014 के कार्यालय जापन सं. 5/16/2013-रा.भा.(सेवा) के तहत सूचित किया था कि "वर्तमान में कोई वरिष्ठ अनुवादक विभाग में उपलब्ध नहीं है जिसे आपके मंत्रालय में तैनात किया जा सके। आपके अनुरोध को नोट कर लिया गया है। वरिष्ठ अनुवादक उपलब्ध होने पर तैनात कर दिया जाएगा।"

2. मंत्रालयों, विभाग के संबद्ध कार्यालयों में हिंदी का कामकाज कर रहे कर्मियों के लिए संवर्ग की स्थापना व उनका विवरण या अन्य उपायों द्वारा उन्हें पदोन्नति के पर्याप्त अवसर प्रदान करना।

विद्युत मंत्रालय का केवल 01 संबद्ध कार्यालय अर्थात् केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) है जिसमें केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारी/अनुवादक तैनात हैं। उप निदेशक (रा.भा.) का 01 पद 22.02.2015 से तथा वरिष्ठ अनुवादक का 01 पद 17.04.2016 से रिक्त है। इन पदों को भरने के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) राजभाषा विभाग को समय-समय पर अनुरोध करता रहा है।

3. सेवाप्रदाता के माध्यम से आउटसोर्स कर कनिष्ठ अनुवादकों की रिक्तियों को भरने की स्थिति।

मंत्रालय तथा इसके संबद्ध कार्यालय में कनिष्ठ अनुवादक का कोई पद रिक्त नहीं है।

## राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

### 4. निम्न कानूनी प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति:

- I. क्या राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी स्वरूप में जारी होने वाले अभिलेखों को सुनिश्चित ढंग से सूचीबद्ध किया गया है? यदि हां, तो ऐसे कुल अभिलेखों की संख्या कितनी है?

जी, हां। धारा 3(3) के अंतर्गत जारी होने वाले सभी अभिलेख सूचीबद्ध हैं जिनकी संख्या 13 है। ये अभिलेख इस प्रकार हैं: सामान्य आदेश, अधिसूचनाएं, प्रेस विज्ञापितियां/टिप्पणियां, संविदाएं, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा पत्र, निविदा प्रारूप एवं नोटिस, संकल्प, नियम, संसद के एक या दोनों सदनों में प्रस्तुत सरकारी कागज-पत्र (रिपोर्टों के अलावा), संसद के एक या दोनों सदनों में प्रस्तुत प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्टें, प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्टें (संसद के एक या दोनों सदनों में प्रस्तुत की गई रिपोर्टों के अलावा)। 31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 668 दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में जारी किए गए।

- II. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 के अंतर्गत मंत्रालय/विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में दी गई सूचना की विस्तृत समीक्षा हो।

(नियम 5 : हिंदी में प्राप्त पत्रादि के उत्तर केंद्रीय सरकार के कार्यालय से हिंदी में दिए जाएंगे)

हिंदी में प्राप्त पत्रादि के उत्तर शत-प्रतिशत हिंदी में दिए जाते हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान हिंदी में प्राप्त कुल 755 पत्रों में से 534 पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया गया है। शेष 221 पत्रों का उत्तर दिया जाना अपेक्षित नहीं था।

- III. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र में दी गई सूचना की विस्तृत समीक्षा हो।

(नियम 11 : मैनुअल, संहिताएं, प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य, लेखन सामग्री आदि)

- (1) केंद्रीय सरकार के कार्यालयों से संबंधित सभी मैनुअल, संहिताएं और प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य, हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषिक रूप में यथास्थिति, मुद्रित या साइक्लोस्टाइल किया जाएगा और प्रकाशित किया जाएगा।

केंद्रीय सरकार के कार्यालयों से संबंधित सभी मैनुअल, संहिताएं और प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य, हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में प्रकाशित किए जाते हैं। इनके द्विभाषी प्रकाशन के लिए प्रशासन-3 अनुभाग तथा संबंधित अनुभाग को जांच बिंदु बनाया गया है।

- (2) केंद्रीय सरकार के किसी कार्यालय में प्रयोग किए जाने वाले रजिस्ट्रों के प्रारूप और शीर्षक हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होंगे।

मंत्रालय में ई-ऑफिस में कार्य हो रहा है इसलिए रजिस्ट्रों का प्रयोग लगभग समाप्त हो गया है।

- (3) केंद्रीय सरकार के किसी कार्यालय में प्रयोग किए जाने वाले सभी नामपट्ट, सूचनापट्ट, पत्रशीर्ष और लिफाफों पर उत्कीर्ण लेख तथा लेखन सामग्री की अन्य मर्दें हिंदी और अंग्रेजी में लिखी जाएंगी, मुद्रित या उत्कीर्ण होंगी।

मंत्रालय के सभी नामपट्ट, सूचनापट्ट, रबड़ की मुहरें, पत्रशीर्ष और लिफाफों पर उत्कीर्ण लेख तथा लेखन सामग्री की अन्य मर्दें हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखी, मुद्रित या उत्कीर्ण होती हैं। इनके द्विभाषी मुद्रण के लिए प्रशासन-3 अनुभाग को जांच बिंदु बनाया गया है।

5. हिंदी प्रयोग संबंधी वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के आंकड़ों की लक्ष्यों एवं पिछले वर्ष के आंकड़ों की तुलना करते हुए उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा।

राजभाषा विभाग से प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी उपक्रमों, कार्यालयों तथा मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु परिचालित किए जाते हैं। इसके साथ-साथ वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों और मंत्रालय की उपलब्धि की समीक्षा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में भी की जाती है। इसके साथ-साथ हिंदी अनुभाग तथा संयुक्त सचिव (राजभाषा) द्वारा समय-समय पर वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों तथा मंत्रालय की स्थिति का उल्लेख करते हुए निदेश जारी किए जाते हैं। हाल ही में सचिव (विद्युत) की ओर से दिनांक 06 मार्च, 2018 को कार्यालय ज्ञापन तथा माननीय विद्युत मंत्री के कार्यालय द्वारा निदेश जारी कर सभी वरिष्ठ अधिकारियों को राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का अनुरोध किया गया है।

6. तिमाही प्रगति रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के तथ्यपरक होने संबंधी औचक जांच परिणाम।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट संबंधित अनुभाग के अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होती है। इसलिए आंकड़ों पर संदेह नहीं किया जाता। तथापि, अनुभागों के निरीक्षण के समय तिमाही प्रगति रिपोर्ट में भेजे गए आंकड़ों को भी देखा जाता है।

7. संसदीय राजभाषा समिति के सभी 8 खण्डों में की गई संस्तुतियों पर पारित वे आदेश, जिन पर संबंधित मंत्रालयों द्वारा कार्रवाई की जानी अपेक्षित थी, लेकिन अभी तक नहीं की गई है।

संसदीय राजभाषा समिति की रिपोर्ट के समय-समय पर प्राप्त 8 खण्डों में की गई संस्तुतियां मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी उपक्रमों/कार्यालयों को भेज दी गई थी तथा मंत्रालय से संबंधित मदों पर उचित कार्रवाई की जाती रही है।

8. उपक्रमों द्वारा हिंदी प्रसार कार्य में किए गए योगदान की स्थिति।

विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रम/कार्यालय अपने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को भी कवि सम्मेलनों तथा कर्मचारियों के बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रेरित करते हैं।

9. मंत्रालय/विभाग में प्रोत्साहन योजनाओं की स्थिति।

राजभाषा विभाग की अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा मूल रूप से हिंदी में काम करने की योजना तथा अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने की योजना मंत्रालय में लागू की गई है। इसके साथ-साथ अंग्रेजी के आशुलिपिकों/टंककों द्वारा हिंदी में आशुलिपि/टंकण कार्य करने के लिए पुरस्कार योजना भी लागू है। राजभाषा विभाग की इन प्रोत्साहन योजनाओं के अतिरिक्त मंत्रालय में हिंदी में काम करने का वातावरण बनाने तथा हिंदी में काम करने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए सितम्बर माह में आयोजित हिंदी पखवाड़े के विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। साथ ही मंत्रालय में हिंदी कार्यशालाओं के प्रतिभागियों को अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश उपलब्ध कराए गए हैं तथा हिंदी की छोटी-छोटी टिप्पणियां एवं वाक्यांश ई-मेल के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई हैं और मंत्रालय की ई-ऑफिस वेबसाइट में पत्राचार के नमूने तथा राजभाषा सहायक पुस्तिका अपलोड की गई है।

#### कम्प्यूटर एवं वेबसाइट

10. (क) वेबसाइट अनिवार्य रूप से द्विभाषी है या नहीं;

मंत्रालय की वेबसाइट द्विभाषी है।

- (ख) क्या हिंदी वेबसाइट भी अंग्रेजी की वेबसाइट की तरह पूर्ण है और समय-समय पर अद्यतित की जाती है?

मंत्रालय की वेबसाइट को अद्यतन करना एक सतत प्रक्रिया है और इसे समय-समय पर एनआईसी द्वारा अद्यतन किया जाता है।

- (ग) वेबसाइट के रख-रखाव की व्यवस्था।

वेबसाइट का रख-रखाव मंत्रालय के एनआईसी प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है।

11. (क) सभी कम्प्यूटरों पर यूनिकोड में हिंदी का कार्य करने की सुविधा सक्रिय कराने एवं कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य करने के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयरों के प्रयोग संबंधी जानकारी प्रशिक्षण की स्थिति।

सभी नए कम्प्यूटरों में यूनिकोड की सुविधा इनबिल्ट होती है। नए कम्प्यूटरों को इंस्टॉल करने के बाद इसे एनआईसी/प्रशा.।।। द्वारा एक्टिवेट कर दिया जाता है।

- (ख) 'मंत्रा' चैम्पियन व्यवस्था का परिणाम (जिन 8 मंत्रालयों/विभागों गृह मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), उच्चतर शिक्षा विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय एवं आई.सी.ए.आर. में लागू है)।

मंत्रालय पर लागू नहीं।

- (ग) सी-डैक व एन.आई.सी. से उपलब्ध तकनीकी सहायता

मंत्रालय की वेबसाइट पर हिंदी में सामग्री अपलोड करने तथा कम्प्यूटरों में यूनिकोड एक्टिवेट करने के लिए एन.आई.सी. की सहायता ली जाती है।

12. विभाग (मंत्रालय में सामान्यतया प्रयोग होने वाले पत्रों, कार्यालय जापन, फार्म) के दस्तावेजों के हिंदी प्रारूप को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की स्थिति।

जहां तक मंत्रालय में उपयोग होने वाले सामान्य पत्रों और विभिन्न फार्मों का संबंध है, ये मंत्रालय की ई-ऑफिस वेबसाइट पर द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं।

## प्रशिक्षण

13. हिंदी भाषा, टाइपिंग, स्टेनोग्राफी, अनुवाद के प्रशिक्षण की स्थिति की समीक्षा। जिन कर्मचारियों/अधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान नहीं है, उनको वर्ष 2015 तक हिंदी भाषा का प्रशिक्षण दिलाने के लिए नामित किए जाने की कार्य-योजना की स्थिति।

31 मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही के अनुसार मंत्रालय के कुल 286 अधिकारियों/कर्मचारियों में से केवल 01 अधिकारी और 05 कर्मचारी हिंदी प्रशिक्षण के लिए शेष हैं। जहां तक हिंदी टाइपिंग, स्टेनोग्राफी और अनुवाद के प्रशिक्षण की स्थिति का संबंध है, इन्हें क्रमिक रूप से प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता है ताकि प्रशिक्षण एवं मंत्रालय का कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। फरवरी, 2018 से शुरू हुए प्रशिक्षण सत्र के लिए मंत्रालय के 10 निजी सचिव/वैयक्तिक सहायक/आशुलिपिकों को हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण हेतु नामित किया गया है।

### अनुवाद के प्रशिक्षण की स्थिति:

(क)	कुल अधिकारी/कर्मचारी जो अनुवाद कार्य करते हैं	वरिष्ठ अनुवादक-01 कनिष्ठ अनुवादक-03  उपर्युक्त के अलावा, अप्रत्याशित/तात्कालिक कार्य की दशा में दोनों सहायक निदेशक भी अनुवाद कार्य में सहयोग करते हैं।
(ख)	उक्त (क) में से केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो से प्रशिक्षण प्राप्त	सहायक निदेशक-01 वरिष्ठ अनुवादक-01
(ग)	कितनों को प्रशिक्षण दिया जाना शेष है	कनिष्ठ अनुवादक-03
(घ)	आगामी पांच वर्षों में प्रशिक्षण की कार्य योजना	केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा त्रैमासिक अनुवाद प्रशिक्षण अब 30 कार्यदिवसीय कर दिया गया है। प्रशिक्षण के लिए शेष अनुवादकों को बारी-बारी से 30 कार्यदिवसीय प्रशिक्षण के लिए नामित किया जाएगा।

### शब्द-कोष संचय

14. (क) संबंधित कार्यक्षेत्र की अंग्रेजी-हिंदी शब्दावली तैयार करने एवं उसके उपलब्ध कराने (वेबसाइट पर रखने सहित) की स्थिति।

मंत्रालय द्वारा वर्ष 2010 में विद्युत शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी) तैयार की गई थी। शब्दावली की प्रतियां मंत्रालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को वितरित की गई थी। मंत्रालय के सभी अनुभागों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी) भी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाती हैं।

- (ख) सी-डैक द्वारा तैयार किए गए ई-महाशब्दकोष की उपलब्धता व उपयोगिता की स्थिति।

मंत्रालय के अधिकांश कम्प्यूटरों में नेट की सुविधा उपलब्ध है और ई-महाशब्दकोष का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाता है।

### अन्य

15. संबंधित मंत्रालय/विभाग/कार्यालय से प्राप्त मामला, जो राजभाषा विभाग में लंबित है या राजभाषा विभाग द्वारा उनके साथ उठाया गया कोई मुद्दा।

मंत्रालय ने वरिष्ठ अनुवादक के रिक्त पद को भरने के लिए अनुरोध करने के अलावा कोई अन्य मुद्दा नहीं उठाया है।

31 दिसम्बर, 2017 के अनुसार राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	धारा 3(3) के अधीन जारी किए गए कागजात	द्विभाषी रूप में जारी कागजात की संख्या	केवल अंग्रेजी में जारी किए गए कागजात
1	2	3	4	5
	<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य-100% द्विभाषी</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	668	668	शून्य
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	26	25	01*
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	41	41	शून्य
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	40	40	शून्य
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	99	99	शून्य
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1094	1094	शून्य
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	306	306	शून्य
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	379	379	शून्य
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	36	36	शून्य
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	145	145	शून्य
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	54	54	शून्य
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	219	219	शून्य
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	10	10	शून्य
	<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>			
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	89	89	शून्य
	<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>			
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	632	632	शून्य
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	322	322	शून्य
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	287	287	शून्य

\* राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) को पूर्णतः अनुपालन करने के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को निदेश दिए गए हैं।

31 दिसम्बर, 2017 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों एवं उनके उत्तरों की स्थिति (राजभाषा नियम-5)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	हिंदी में प्राप्त पत्रों की कुल संख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
	<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 100% उत्तर हिंदी में ही देना</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	755	534	शून्य	221
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	5497	3536	04	1957
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	50	26	शून्य	24
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	148	82	शून्य	66
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	526	441	शून्य	85
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	4754	3467	शून्य	1287
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1306	1204	शून्य	102
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	16	10	शून्य	6
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	46	36	शून्य	10
10.	रूरल इलेक्ट्रिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	413	316	शून्य	97
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	4583	3409	शून्य	1174
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	2329	2197	शून्य	132
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	14	12	शून्य	2
	<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	4321	3203	शून्य	1118
	<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	279	279	शून्य	शून्य
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	63	49	शून्य	14
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	31	07	शून्य	24

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	'क' क्षेत्र से			
		अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की संख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>					
1.	विद्युत मंत्रालय	2521	571	1594	361
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	7971	4379	486	3106
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	556	54	0	502
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	387	291	54	42
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	271	130	0	141
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	3851	2618	0	1235
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	4804	4098	642	64
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	412	202	210	--
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	442	301	108	33
10.	रूरल इलेक्ट्रिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	865	406	150	309
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	5559	3968	681	910
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	572	509	21	42
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1553	792	761	--
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	918	699	45	174
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए लागू नहीं</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	-	-	-	-
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	-	-	-	-
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	-	-	-	-

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	'ख' क्षेत्र से			
		अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की सख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>					
1.	विद्युत मंत्रालय	1287	942	777	268
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	595	290	52	253
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	250	42	0	208
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	347	264	42	41
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	115	69	0	48
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1553	1123	377	53
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	522	156	366	--
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	60	31	21	08
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	244	97	18	129
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	193	193	0	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	63	57	03	03
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1135	578	557	शून्य
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	2955	2390	117	448
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए लागू नहीं</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	-	-	-	-
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	-	-	-	-
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	-	-	-	-

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी/द्विभाषी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 100%</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	1139	1836	2975
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	16107	906	17013
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	3685	232	3917
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1506	284	1790
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	1895	206	2101
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	16736	679	17415
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	2911	563	3474
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	443	79	522
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	10649	301	10950
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1819	183	2002
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	9861	741	10602
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	11796	390	12186
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1198	416	1614
	<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 90%</b>		
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	1816	74	1890
	<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 55%</b>		
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	662	362	1024
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	365	220	585
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु	1950	117	2067

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी/द्विभाषी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 100%</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	384	816	1200
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1238	82	1320
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	790	165	955
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	782	270	1052
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	163	18	181
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	578	29	607
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1917	399	2316
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	358	92	450
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	339	64	403
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	723	173	896
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	223	0	223
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	96	09	105
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	964	379	1343
	<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 90%</b>		
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	8719	208	8927
	<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 55%</b>		
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	3	2	5
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	57	25	82
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	1153	40	1193

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ग' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी/द्विभाषी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 65%</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	94	668	782
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1286	179	1465
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	424	158	582
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	578	508	1086
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	203	17	220
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	2963	232	3195
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	1267	537	1804
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	315	162	477
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	486	108	594
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1119	423	1542
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	169	0	169
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	11	1	12
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	74	57	131
	<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 55%</b>		
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	4	0	4
	<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 55%</b>		
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1545	525	2070
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	309	215	524
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	1725	31	1756

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान फाइलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियां

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	हिंदी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.	अंग्रेजी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.	कुल टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.
1	2	3	4	5
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य- 75%</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	946	3341	4287
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	2091	537	2628
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	936	175	1111
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	315	176	491
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	232	14	246
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	4320	448	4768
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	648	89	737
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	466	5	471
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	2274	722	2996
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1037	611	1648
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	1156	187	1243
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	932	45	977
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	611	376	987
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य - 50%</b>		
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	4418	409	4827
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य - 30%</b>		
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1250	2121	3371
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	61	135	196
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	23	शून्य	23

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	तिमाही के दौरान पूर्ण दिवसीय आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	इनमें प्रशिक्षित कर्मिकों की संख्या	
			अधिकारी	कर्मचारी
1	2	3	4	5
	<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- कम से कम एक</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	1	3	9
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1	30	20
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	2	6	12
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1	शून्य	10
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	6	342	90
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	8	186	30
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	3	35	63
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	1	295	55
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	4	114	28
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1	23	9
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	4	54	84
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	1	22	3
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1	1	21
	<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>			
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	1	6	24
	<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>			
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1	47	शून्य
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	1	6	9
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	1	2	20

31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	बैठक की तिथि (केंद्रीय प्रधान कार्यालय की)	अधीनस्थ कार्यालयों में गठित रा.भा.का. समितियों की सं.	इस तिमाही में आयोजित बैठकों की सं.	क्या बैठकों से संबंधित कार्यसूची और कार्यवृत्त हिंदी में जारी किए गए?
1	2	3	4	5	6
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य- प्रत्येक तिमाही में एक</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	05.12.2017	15	15	हां
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	14.11.2017	14	04	हां
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	15.12.2017	कोई अधीनस्थ कार्यालय नहीं		हां
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	22.12.2017	7	7	हां
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	21.12.2017	35	35	हां
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	27.12.2017	34	34	हां
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	28.12.2017	10	10	हां
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	06.12.2017	5	5	हां
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	29.12.2017	2	2	हां
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	29.12.2017	19	19	हां
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	26.10.2017	9	9	हां
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	21.12.2017	4	4	हां
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	28.12.2017	कोई अधीनस्थ कार्यालय नहीं		हां
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	29.12.2017	7	7	हां
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	08.11.2017	10	10	हां
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	22.12.2017	11	11	हां
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	22.12.2017	4	4	हां

**31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य/उपलब्धियां**

मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा कौमी एकता सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह तथा संविधान दिवस के अवसर पर शपथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिलाई गई तथा निबंध/भाषण/प्रश्न मंच/वाद-विवाद की प्रतियोगिताएं हिंदी में आयोजित की गईं।

**विद्युत मंत्रालय**

- हिंदी पत्रों के नमूने मंत्रालय की ई-ऑफिस वेबसाइट पर हेल्प-डेस्क शीर्ष में अपलोड किए गए हैं।
- वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिखी जाने वाली टिप्पणियां/वाक्यांश मंत्रालय के सभी अधिकारियों को ई-मेल किए गए ताकि वरिष्ठ अधिकारी आवश्यकतानुसार ई-ऑफिस में हिंदी में टिप्पणी लिख सकें।
- संयुक्त सचिव स्तर के सभी अधिकारियों को निदेश दिए हैं कि वे राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर भी प्रयास करें।
- मंत्रालय में लगाए गए डिस्पले बोर्डों पर प्रतिदिन 'आज का शब्द और विचार' द्विभाषी रूप में प्रदर्शित किया जाता है।
- ई-ऑफिस में 'आज का शब्द' हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रदर्शित किया जाता है।

**केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग**

- "सौदामिनी" तिमाही पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है, रूटीन पत्र/मॉडल पत्र बनाए गए हैं।
- "आज का विचार" नियमित रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है।

**एनटीपीसी**

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- "विद्युत स्वर" अर्द्ध वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

**बीबीएमबी**

- हिंदी पखवाड़े के समापन के अवसर पर 6 अक्टूबर, 2017 को राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए बीबीएमबी के कार्यालयों में हिंदी से संबंधित विभिन्न महापुरुषों/विद्वानों के विचार फ्रेम करवाकर लगाए गए।
- 'बीबीएमबी समाचार' का प्रकाशन किया जा रहा है।

### आरईसी

- मुख्यालय की राजभाषा गृह पत्रिका में प्रकाशित हिंदी रचनाओं के लिए कार्मिकों को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अनुरूप मानदेय प्रदान किया गया।
- "ऊर्जायन" अर्द्ध वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।
- हिंदी कार्यशाला में कार्मिकों को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध ई-टूल्स का प्रशिक्षण दिया गया।

### पीएफसी

- कार्मिकों को 'वॉइस टू टाइप' की सहायता से कार्य करने के लिए माइक वितरित किए गए।
- योग, आहार और स्वास्थ्य विषय पर हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कार्मिकों ने अपनी प्रांतीय तथा क्षेत्रीय भाषाओं में गीत और गाने गाए।
- दैनिक कामकाज में प्रयुक्त होने वाली मानक टिप्पणियों का संकलन तैयार करके कार्मिकों को वितरित किया गया।
- निगम की त्रैमासिक गृह पत्रिका 'ऊर्जा दीप्ति' के अंक का प्रकाशन किया गया।

### टीएचडीसी

- दिनांक 16.11.2017 को कर्मचारियों के लिए अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- चतुर्मासिक गृह पत्रिका 'पहल' (मई-अगस्त, 2017) के 16वें अंक का प्रकाशन किया गया।

### एनएचपीसी

- 7-8 दिसम्बर, 2017 को दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विभिन्न कार्यालयों/परियोजनाओं/पावर स्टेशनों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया।
- 27 नवम्बर, 2017 से 01 दिसम्बर, 2017 तक पुस्तक पठन सप्ताह मनाया गया।
- अर्द्ध वार्षिक गृह पत्रिका 'राजभाषा ज्योति' के 31वें अंक का प्रकाशन किया गया।

### बीईई

- ऊर्जा दक्षता ब्यूरो में गृह पत्रिका 'बचत के सितारे' का प्रथम अंक प्रकाशित किया गया।
- बीईई के अंग्रेजी लोगो को हिंदी में भी बनवाया गया।

### एसजेवीएन

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में स्मरण शक्ति शब्द ज्ञान तथा नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- निगम द्वारा अर्द्ध वार्षिक गृह पत्रिका 'हिम शक्ति' का प्रकाशन किया जाता है।

### पावर ग्रिड

- भजन, सूफी संगीत एवं गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- कार्यालय से 'ग्रिड दर्पण' राजभाषा पत्रिका (वार्षिक), सौदामिनी वार्ता द्विभाषी पत्रिका (छःमाही) तथा क्यू द्विभाषी पत्रिका (त्रैमासिक) प्रकाशित की जाती है।

### नीपको

- 10 नवम्बर, 2017 को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र की संयुक्त तकनीकी संगोष्ठी में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) तथा परियोजना कार्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला में श्री अरूण कुमार प्रधान, हिंदी अधिकारी को 'तृतीय स्थान' प्राप्त हुआ।
- कार्यालय द्वारा 'नीपको ज्योति' वार्षिक (हिंदी), 'नीपको न्यूज' त्रैमासिक (द्विभाषी) तथा 'न्यूज फ्लैश' मासिक (द्विभाषी) नामक पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

### सीपीआरआई

- सीपीआरआई समाचार के अंक संख्या 141 का द्विभाषी रूप में प्रकाशन किया गया।
- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए महिला स्वास्थ्य एवं आहार विषय पर हिंदी में एक स्वास्थ्य व्याख्यान का आयोजन किया गया।

### पोसोको

- कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- प्रतिदिन 'आज का शब्द' व 'आज का विचार' पोसोको के सभी कार्मिकों को ई-मेल के माध्यम से भेजा जाता है।

### डीवीसी

- 'दाघानि प्रवाह' पत्रिका का प्रकाशन किया गया है।

31 मार्च, 2017 के अनुसार, नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित कार्यालय

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	क्या कार्यालय राजभाषा नियम 10(4) के तहत राजपत्र में अधिसूचित है ?	नियंत्रणाधीन कार्यालयों की कुल संख्या	राजभाषा नियम 10(4) के तहत अधिसूचित नियंत्रणाधीन कार्यालयों की संख्या
1	2	3	4	5
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>				
1.	विद्युत मंत्रालय	जी हाँ	15	14
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	जी हाँ	14	12
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	जी हाँ	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	जी हाँ	9	3
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	जी हाँ	35	29
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	जी हाँ	33	28
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	जी हाँ	230	175
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	जी हाँ	5	5
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	जी हाँ	2	2
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	जी हाँ	22	18
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	जी हाँ	9	6
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	जी हाँ	4	3
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	जी हाँ	शून्य	शून्य
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	जी हाँ	7	7
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	जी हाँ	9	5
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	जी नहीं	11	2
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	जी हाँ	7	5

31 मार्च, 2017 के अनुसार, अधिकारियों/कर्मचारियों के राजभाषा ज्ञान के बारे में स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अधिकारी					कर्मचारी				
		कुल सं.	कार्य साधक ज्ञान रखने वाले	हिंदी में प्रवीणता प्राप्त	प्रशिक्षण अधीन	प्रशिक्षण के लिए शेष	कुल सं.	कार्य साधक ज्ञान रखने वाले	हिंदी में प्रवीणता प्राप्त	प्रशिक्षण अधीन	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 100%</b>									
1.	विद्युत मंत्रालय	96	35	60	0	1	190	70	115	0	5
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	318	163	155	0	0	191	95	96	0	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	52	20	32	0	0	15	5	10	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	36	9	27	0	0	17	02	15	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	1718	1531	187	0	0	324	134	190	0	0
3.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1256	289	965	03	0	144	16	128	0	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	916	390	524	02	0	208	59	149	0	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लि., दिल्ली	69	8	61	0	0	6	5	1	0	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	383	186	197	0	0	110	27	83	0	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	278	128	149	0	1	19	8	11	0	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	280	182	98	0	0	205	179	26	0	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	314	20	294	0	0	178	11	167	0	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	2	2	0	0	0	18	14	4	0	0
	<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>										
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	57	9	48	0	0	168	56	112	0	0
	<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>										
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	270	205	65	0	0	402	312	90	0	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	222	173	29	16	04	131	80	27	14	10
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	215	196	19	0	0	218	186	32	0	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार, आशुलिपिकों की हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	हिंदी में प्रशिक्षित	हिंदी में काम करने वालों की संख्या	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य- 100%</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	17	6	6	11
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	33	27	27	6
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	7	7	7	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	139	139	139	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	49	49	49	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	2	2	2	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	47	47	47	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	0	0	0	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	46	46	46	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	12	12	12	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	3	3	1
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	13	13	13	0
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	55	55	55	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	21	18	3	3
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	11	11	11	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार, टाइपिस्टों/लिपिकों/डाटा एंट्री आपरेटर के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	हिंदी में प्रशिक्षित	हिंदी में काम करने वालों की संख्या	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6
	<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य- 100%</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	20	20	20	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	29	24	24	5
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	0	0	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	87	87	87	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	0	0	0	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	0	0	0	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	0	0	0	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	3	3	3	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	0	0	0	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	45	45	45	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0	0
	<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	51	47	47	4
	<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	33	33	33	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	08	05	15
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	4	4	4	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार अनुवाद का ज्ञान

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अधिकारी/ कर्मचारी जो अनुवाद कार्य करते हैं	कालम 3 में से अनुवाद संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी	अनुवाद प्रशिक्षण के लिए शेष अधिकारी/कर्मचारी
1	2	3	4	5
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>				
1.	विद्युत मंत्रालय	6	2	4
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3	2	1
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1	0	1
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	4	4	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	9	9	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	1124	1124	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	0	0	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	3	3	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	2	0	2
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	4	4	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	4	4	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	3	0	3
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	4	4	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	3	0	3
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	4	4	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार, कंप्यूटर प्रशिक्षण की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	कंप्यूटर पर हिंदी में प्रशिक्षित अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने वाले प्रशिक्षित अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या
1	2	3	4	5
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>				
1.	विद्युत मंत्रालय	286	230	230
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	485	128	301
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	67	15	15
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	53	53	10
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	2042	2042	2042
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1400	1397	1397
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1124	1124	1124
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	75	75	75
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	493	493	493
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	297	296	297
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	485	445	445
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	492	403	205
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	20	20	03
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	225	124	101
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	672	672	672
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	353	48	48
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	433	357	357

31 मार्च, 2017 के अनुसार कंप्यूटर/लैपटॉप/सिस्टम आदि से संबंधित जानकारी

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	द्विभाषी	केवल अंग्रेजी में	यूनिकोड समर्थित
1	2	3	4	5	6
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>					
1.	विद्युत मंत्रालय	305	305	0	305
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	459	421	38	379
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	85	85	0	85
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	53	53	0	53
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	2100	2100	0	2100
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1640	1640	0	1640
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1140	1140	0	1140
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	75	75	0	75
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	497	497	0	497
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	394	394	0	394
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	285	285	0	285
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	648	648	0	648
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	62	62	0	62
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	75	75	0	75
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	453	453	0	453
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	396	396	0	396
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	505	505	0	505

31 मार्च, 2017 के अनुसार, कोड/मैनुअल आदि के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अधिनियम, नियम, कार्यालयीन कोड/मैनुअल/प्रक्रिया/ साहित्य आदि		मानक प्रपत्र	
		द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में	द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में
1	2	3	4	5	6
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>					
1.	विद्युत मंत्रालय	13	0	28	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3	3*	7	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	32	6	16	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	57	0	12	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	38	0	33	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	55	0	29	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	55	0	10	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	9	0	41	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	20	0	52	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	9	0	106	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	23	0	26	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	01	0	07	0
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	5	0	19	0
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	24	0	75	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	01	0	21	0
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	8	0	65	0

\* द्विभाषी किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

31 मार्च, 2017 के अनुसार अनुभागों को नियम 8(4) के अधीन विनिर्दिष्ट करने के संबंध में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अनुभाग	हिंदी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुभागों की संख्या
1	2	3	4
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	30	15
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	53	33
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	7	7
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	2
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	26	12
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	40	40
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	35	16
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	4	1
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	36	36
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	24	15
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	36	20
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	20	12
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	2
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>			
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	12	12
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>			
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	10	5
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	07
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	30	7

31 मार्च, 2017 के अनुसार, वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा संबंधी निरीक्षणों की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अनुभागों/ प्रभागों की कुल संख्या	निरीक्षित अनुभागों/ प्रभागों की संख्या	संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/निगमों की संख्या	कॉलम 5 में से निरीक्षित कार्यालयों की कुल संख्या
1	2	3	4	5	6
<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य- न्यूनतम 25%</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	30	12	15	9
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	53	15	14	4
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	-	-	कोई संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालय नहीं	
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	1	8	4
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	26	16	35	13
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	40	40 (वर्ष में दो बार)	33	33
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	35	35	10	6
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	4	4	5	5
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	36	36	2	2
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	24	9	22	6
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	36	36	8	8
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	20	20	4	4
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	2	कोई संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालय नहीं	
<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>					
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	12	12	संबद्ध कार्या. 7 अधीनस्थ कार्या. 6	13
<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>					
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	10	10	10	10
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	21	11	4
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	30	6	6	4

31 मार्च, 2017 के अनुसार, पत्रिकाओं/अन्य प्रकाशन के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल	द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में
1	2	3	4	5
	<b>'क' क्षेत्र में स्थित</b>			
1.	विद्युत मंत्रालय	0	0	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	0	0	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	0	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	3	3	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	10	10	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	181	181	0
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	0	0	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	01	01	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	01	01	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	05	05	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	05	05	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
	<b>'ख' क्षेत्र में स्थित</b>			
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	06	06	0
	<b>'ग' क्षेत्र में स्थित</b>			
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	6	6	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	5	5	0
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	8	8	0

वर्ष 2016-17 के दौरान पुस्तकालय द्वारा हिंदी पुस्तकों की खरीद के संबंध में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	पुस्तकों की खरीद पर किया गया कुल खर्च	हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया खर्च	कुल खर्च के प्रति हिंदी की पुस्तकों की खरीद पर किए गए खर्च की प्रतिशतता
1	2	3	4	5
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>		<b>लक्ष्य- 50%</b>		
1.	विद्युत मंत्रालय	0	0	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3,99,923	9,662	2.41
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	58,766	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	52,357	52,357	100
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1,53,543	1,33,950	87
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	4,19,316	2,17,208	51
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	30,909	24,725	79
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	5,040	2,610	52
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	30,741	16,616	54
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	26,200	17,295	66
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	1,02,380	93,004	90
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>				
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	56,760	37,800	66
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>				
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1,00,000	53,000	53
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	77,946	36,521	46
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	15,355	15,355	100

31 मार्च, 2017 के अनुसार, उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा हिंदी में कार्य

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों की कुल संख्या	कालम 3 में से हिंदी जानने वाले अधिकारियों की संख्या	कॉलम 4 में से हिंदी में कार्य करने वालों की संख्या		
				70% से अधिक	70 से 30% तक	30% से कम
1	2	3	4	5	6	7
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>						
1.	विद्युत मंत्रालय	18	18	0	18	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	140	136	105	29	5
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	18	18	7	10	1
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	5	3	1	1
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	579	579	430	149	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	150	150	106	44	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	206	206	125	61	20
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	40	40	0	8	0
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	82	82	70	12	0
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	72	72	72	0	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	52	52	48	4	0
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	76	76	71	05	0
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	2	2	0	2	0
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>						
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	24	24	20	4	0
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>						
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	166	166	89	77	0
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	48	26	8	9	9
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	79	79	23	44	12

31 मार्च, 2017 के अनुसार विद्युत मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ उपक्रमों में हिंदी पदों की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम तथा उसमें हिंदी के पद	मुख्यालय में पदों की संख्या			संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में पदों की संख्या		
		स्वीकृत	रिक्त	कब से रिक्त हैं	स्वीकृत	रिक्त	कब से रिक्त हैं
1	2	3	4	5	6	7	8
<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>							
1.	विद्युत मंत्रालय	08	01	1.3.2012	06	02	22.2.15 17.4.16
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	6	2	22.2.2015 17.4.2016	-	-	-
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	-	-	-	-
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	02	01	28.01.2014	-	-	-
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	4	0	-	35	0	-
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	13	0	-	44	0	-
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	5	0	-	20	0	-
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	0	0	--	0	0	--
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	7	01	-	-	-	-
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	05	01	1.7.2014	0	0	0
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	6	0	-	7	0	-
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	4	0	-	6	0	-
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	-	-	-	-	-	-
<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>							
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	08	0	-	56	15	लगभग 7 वर्ष
<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>							
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	02	0	-	08	0	-
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	6	0	-	12	1	1.7.2016
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	4	0	-	1	0	-

31 मार्च, 2017 के अनुसार वेबसाइट का द्विभाषीकरण और उस पर हिंदी में उपलब्ध कराई गई जानकारी

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	क्या वेबसाइट पूरी तरह द्विभाषी है
1	2	3
	<b>‘क’ क्षेत्र में स्थित</b>	<b>लक्ष्य - 100% द्विभाषी</b>
1.	विद्युत मंत्रालय	जी हाँ
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	आंशिक रूप से
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	जी हाँ
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	जी हाँ
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	जी हाँ
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	जी हाँ
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुडगांव	जी हाँ
8.	पावर सिस्टम आपरेशन कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली	जी हाँ
9.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	जी हाँ
10.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	जी हाँ
11.	एसजेवीएन लि., शिमला	जी हाँ
12.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश	जी हाँ
13.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	जी हाँ
	<b>‘ख’ क्षेत्र में स्थित</b>	
14.	भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़	जी हाँ
	<b>‘ग’ क्षेत्र में स्थित</b>	
15.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	जी हाँ
16.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	जी हाँ
17.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	जी हाँ